Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

B.COM Sem III

Subject: Macroeconomics

Topic: Circular flow of Income-Two Sector Economy

द्विक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में आय का परिपत्र प्रवाह

- इसके अंतर्गत आय के परिपत्र प्रवाह में , अर्थव्यवस्था में दो क्षेत्र होते हैं:
  (1) परिवार और
  (2) फर्में

- इस मॉडल में यह माना गया है कि कोई वित्तीय क्षेत्र नहीं है, कोई सरकारी क्षेत्र नहीं है और कोई विदेशी क्षेत्र नहीं है|

- परिवार द्वारा उत्पादन संसाधनो जैसे भूमि ,श्रम पूंजी आदि व्यवसायिक फर्मों को उपलब्ध कराया जाता है| इस प्रकार उत्पादन के संसाधनों का प्रवाह परिवार से फर्म की ओर होता है|

- बदले में फर्में (उत्पादक) परिवारों को लगान, मजदूरी व ब्याज क रूप में आय प्रदान करती है जिससे मुद्रा का प्रवाह फर्मों से परिवार की ओर होता है|

- परिवारों को जो आय प्राप्त होती है, उसे वे उत्पादक या फार्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं को खरीदने पर पुन: खर्च कर देते हैं |

- इस प्रकार फर्मों द्वारा उत्पादन के संसाधनों की सहायता से उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतों के रूप में अर्थात् उपभोग व्यय के रूप में मुद्रा का प्रवाह परिवार से फर्म की ओर होता है |

- अतः परिवार को जो आय प्राप्ति होती है वह पुनः व्यवसायी फार्मों की और लौट जाती है |

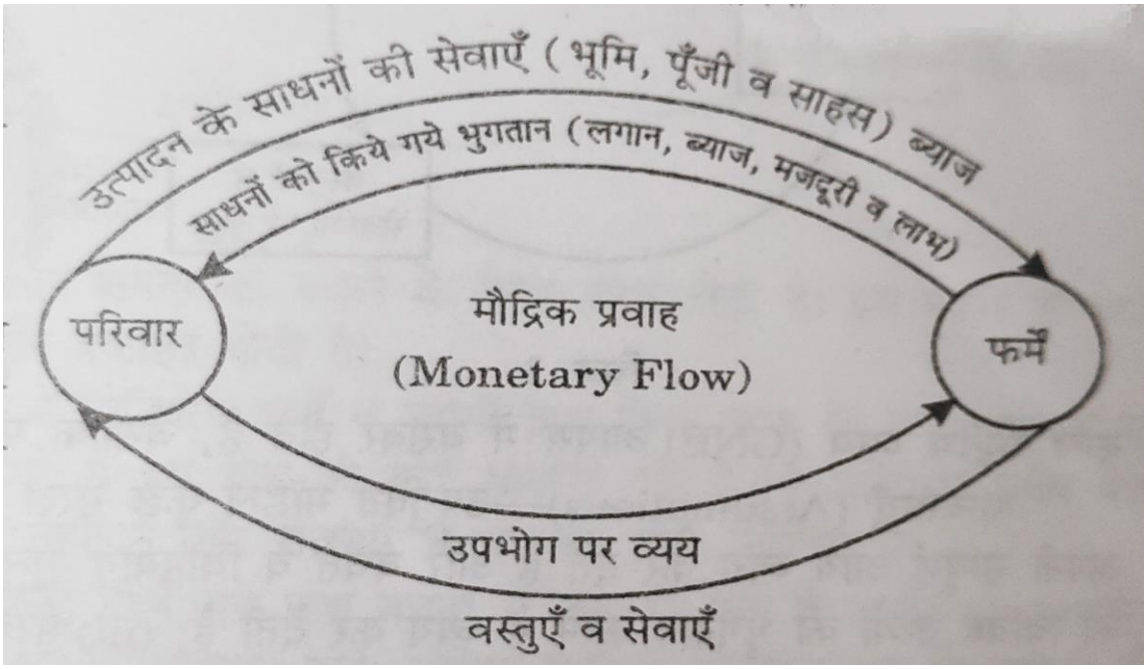

द्विक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में आय का परिपत्र प्रवाह

Ms. Simran Kaur
Assistant Professor
Department of Commerce
Yogoda Satsanga Mahavidyalaya